एक प्रति का मूल्य 3/-

भार्गव समाचार दर्शिका

वर्ष 51 जून, 2022 अंक 3

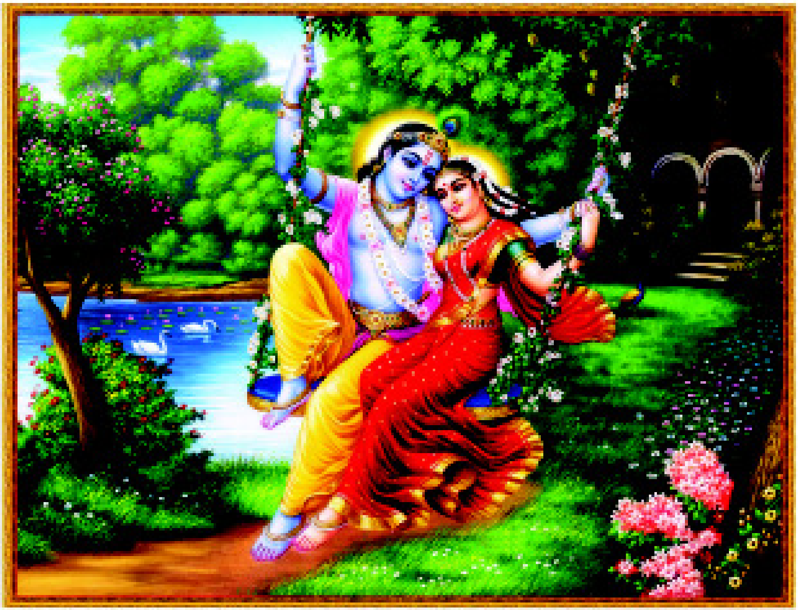

ॐ 卐 ॐ 卐 ॐ

Over 50 Years
Quality Healthcare

Cooper Pharma Limited

Rakesh Bhargava
Managing Director
09810348149

Lata Bhargava
Director
09910045970

Abhishek Bhargava
09958677899

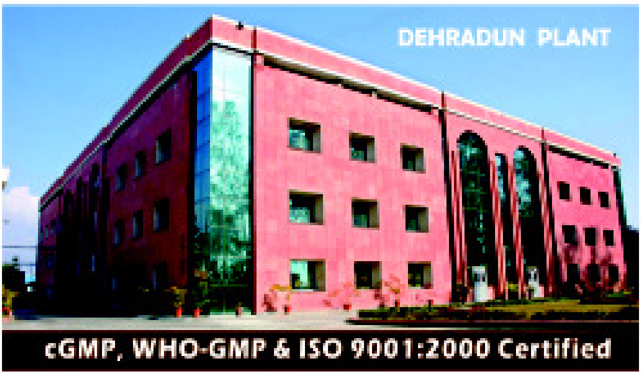

Regd. Office: 12/12, Shakti Nagar, Delhi - 110 007 (INDIA)
Tel.: (011) 26841442
Head Office: Plot no-5, Nidhi Plaza IInd floor, L.S.C., Gulabi Bagh, Shakti Nagar, Delhi - 52
Tel.: (011) 23653404, 23653537, 23653405
Works at : C-3, Industrial Area, Selaqui, Chakrata Road, Dehradun - 248197 (Uttarakhand)
Tel.: (0135) 2698730, 2698686
E-mail : cooperpharma@hotmail.com Visit us at : www.cooperpharma.com

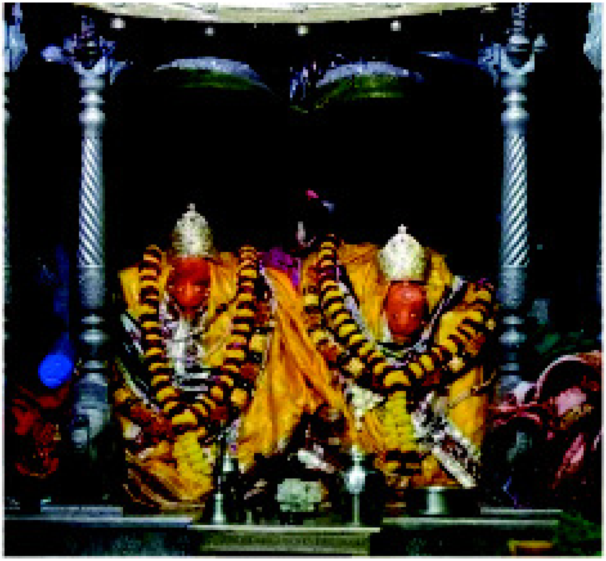

शाकम्भरी माता कुलदेवी मन्दिर

गोलश गोत्र एवं शकरा कुलदेवी परिवारों द्वारा रविवार, 9 अक्टूबर, 2022 को शाकम्भरी माता मन्दिर, सकराय, उदयपुरवाटी, जिला-सीकर, राजस्थान में भंडारा (प्रसादी) का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर दिल्ली से एक बस लेकर जाने की योजना है। जो भी गोलश गोत्र एवं शकरा कुलदेवी परिवार जाने के इच्छुक हों, वे हमें बतायें जिससे कि व्यवस्था की जा सके। बस दिनांक 8 अक्टूबर, 2022 को रात्रि 11 बजे दिल्ली से मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी एवं 9 अक्टूबर रात्रि दिल्ली वापिस आयेगी। 9 अक्टूबर की प्रात: स्नान आदि की व्यवस्था उपलब्ध रहेगी।

सम्पर्क सूत्र :

संजीव भार्गव (9136229066) **अनूप भार्गव** (9818562727)

Perfact
OUR SERVICES
ENVIRONMENT LABORATORY
Environment Baseline Data
Air Quality Assesment - Ambient & Stack Emission
Water Quality Assesment
Soil Quality Assesment
Noise Level Assesment
Indoor Air Quality Assesments
Work Zone Monitoring Assesments
Metal Testing
R&D Assignments
Trace organics Detection
ENVIRONMENTAL CONSULTANCY
EIA Report Preparation
Environmental Clearances from MOEFCC
Designing, Operation & Maintenance of Pollution Control Devices (APCS, ETP & STP)
Environmental Audit
Consultancy for Compliances of Environmental Laws (CTE / CTO)
NBWL / Forest / Ground Water Clearances
Green Building Certification
Advanced Oxidation Systems Solutions for Waste Water Treatment
WASTE MANAGEMENT
Process Development for Efficient Management
Electrical & Electronics Waste Management
Plastic Waste Management
Project Management
DPR Preparation
Import / Export of Waste
Import of Hazardous Substances
Perfact Group
Total Environment Solutions
HO: 5th Floor, NN Mall, Sector - 3, Rohini, Delhi - 110 085
+91-11-4928 1360/61
www.perfactgroup.com
info@perfactgroup.in
Accreditations
QCI NABET ACCREDITED EIA CONSULTANTS
ACCREDITED LABORATORY AS PER ISO/IEC 17025:2005
Other Locations: Lucknow | Chennai | Ranchi | Kolkata | Bhopal

Total No. of Pages 44 (including title).

卐 सर्व भूतहिते रताः 卐

भार्गव समाचार दर्शिका

संस्थापक : श्री नवीन चन्द्र भार्गव

वर्ष 51 | जून, 2022 | अंक 3

प्रबन्ध सम्पादक	मुख्य संरक्षक	सम्पादक
श्रीमती नीरा भार्गव	**श्री योगेश भार्गव**	**श्री संजीव भार्गव**
मैसर्स कनु एस्टेट्स (प्रा.) लि.	मैसर्स भृगु प्रिंटर्स	घौंडा, दिल्ली
दूरभाष : 9811066272	दूरभाष : 9312243182	दूरभाष : 9136229066

भार्गव महिला सभा दिल्ली (पंजीकृत)

तीज उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

रविवार, दिनांक 31 जुलाई, 2022

समय : सायं 4.00 बजे से 8 बजे तक

स्थान : हिंदी भवन, विष्णु दिगंबर मार्ग, राउस एवेन्यू, नई दिल्ली-110002

आरती भार्गव	**मनीषा भार्गव**	**नीता भार्गव**
प्रधान	कोषाध्यक्ष	सचिव
9818884535	8826980607	9910288633

कार्यालय व पत्र व्यवहार का पता

संजीव भार्गव, सम्पादक भार्गव समाचार दर्शिका

मानव धर्म भवन, 67/3, मद्रास हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली-110002

मोबाइल : 9136229066 ई-मेल : bhargavasamachar@gmail.com

संरक्षक :

श्री सुरेश भार्गव
कनु एस्टेट्स (प्रा.) लि.
मो.: 9811127126

श्री ए. एस. भार्गव
ग्रेक्योर फार्मेसियुटिकल्स लि.
मो.: 9810069471

श्री अशोक भार्गव
एक्स. एल. लेबोरेट्रीज
मो.: 9810069472

श्री आर.एस. भार्गव
भार्गव पैथलैब प्रा. लि.
मो.: 9650594400

श्री देवेन्द्र कुमार भार्गव
किशोरी लाल एजेन्सीज़
मो.: 9871222158

श्री राकेश भार्गव
कूपर फार्मा, दिल्ली
मो.: 9810348149

संयोजक :

श्रीमती मंजू भार्गव
नोएडा
मो.: 9310950999

श्रीमती मीनाक्षी भार्गव
डी.एल.एफ.
मो.: 8882954428

श्री सर्वेश भार्गव
सिरी फोर्ट रोड, दिल्ली
मो.: 9350959732

सह सम्पादक :

श्री बाल कृष्ण भार्गव
राजौरी गार्डन
मो.: 9891910968

श्री मयंक भार्गव
डी.एल.एफ.
मो.: 9718011810

श्रीमती अनु भार्गव
घौंडा, मौजपुर
मो. : 9212944101

सदस्य :

श्रीमती मीना भार्गव
पांडव नगर, दिल्ली
मो.: 9953367990

श्रीमती अंजू भार्गव
अनुपम अपार्टमेंट्स, दिल्ली
मो.: 9810759448

श्रीमती कुसुम भार्गव
सीताराम बाजार
मो.: 9899766620

श्री जवाहरलाल भार्गव
विकासपुरी
मो.: 9891558525

श्री सुधाकर भार्गव
आनन्द विहार
मो. : 9810042132

श्री दीपक भार्गव
रोहिणी
मो.: 9899895534

श्री कन्हैया लाल भार्गव
द्वारका
मो.: 9871292072

श्री अनिल भार्गव
इंदिरापुरम
मो.: 9873090881

श्री दीपक भार्गव
कृष्णा नगर
मो.: 9310665696

श्री राजेश भार्गव
प्रशान्त विहार
मो.: 9810130726

श्री अजय भार्गव
पटपड़गंज
मो.: 9810380343

श्रीमती गरिमा भार्गव
पुष्पांजलि
मो. : 9910818585

श्रीमती नीता भार्गव
कौशाम्बी
मो. : 9910288633

श्रीमती आरती भार्गव
रोहिणी
मो. : 9818884535

इस अंक में...

रंगीन विज्ञापन	3, 4, 21–24, 41, 42
विज्ञापन	8, 14, 15, 16
भार्गव महिला सभा दिल्ली : आमंत्रण तीज उत्सव	9–12
नौएडा भार्गव सभा : आमंत्रण तीज उत्सव	13
व्रत–पर्व–त्यौहार	13
श्रद्धांजलि : श्री गोपाल कृष्ण भार्गव	17–18
कविता : मां को समर्पित	19–20
श्रद्धांजलि प्रथम पुण्य तिथि : स्व. श्रीमती सध्या–स्व. श्री राजेश	21
दिल्ली भार्गव सभा के स्नेह सम्मेलन के अवसर पर 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित श्री सुरेश भार्गव	25–26
विज्ञापन	27, 28, 32, 34, 39, 40
दिल्ली भार्गव सभा के स्नेह सम्मेलन के अवसर पर 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित श्री कृष्ण प्रसाद भार्गव (रतन)	29–30
दिल्ली भार्गव सभा के स्नेह सम्मेलन के असवर पर 'विशेष सम्मान' से सम्मानित प्रो. डॉ. दयानन्द भार्गव	31
शाकम्भरी माता कुलदेवी मन्दिर : भंडारा (प्रसादी)	33
गीता में आहार की महिमा	35–38

Fax : 91-11-25920193
Mobile : 9810363235
E-mail : abcapd@live.com

25120193 (O)
25130548 (R)

Ashok Bhargava

August Pharmaceuticals (Delhi)

PHARMACEUTICALS RAW-MATERIALS &
EXCIPIENTS INDENTOR & SUPPLIER

WZ-414, NANAKPURA, HARI NAGAR,
NEW DELHI-110064

RES. : C-2A, MIG FLATS, MAYAPURI, DELHI-110064

Mahindra
GENUINE SPARES

शान से बेचो ● सुकून से खरीदो

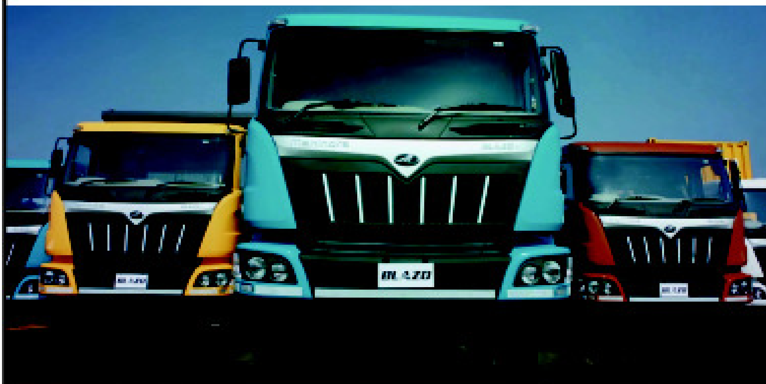

Authorised Distributor

BHARGAVA MOTORS

2597/1, 1st Floor, Ram Singh Motor Market, Hamilton Road,
Kashmere Gate, Delhi-110006
Kashmere Gate : 011-23968091, 23935259, 9560697255
Noida : 0120-4299498, 9650697233
Gurgaon : 0124-4387258, 9560697232

भार्गव महिला सभा दिल्ली (पंजीकृत)

आरती भार्गव	**मनीषा भार्गव**	**नीता भार्गव**
प्रधान	कोषाध्यक्ष	सचिव
9818884535	8826980607	9910288633

तीज उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

रविवार, दिनांक 31 जुलाई, 2022

समय : सायं 4.00 बजे से 8 बजे तक

स्थान : हिंदी भवन, विष्णु दिगंबर मार्ग, राउस एवेन्यू, नई दिल्ली-110002

सपरिवार सादर आमंत्रण

भार्गव महिला सभा दिल्ली रविवार दिनांक 31 जुलाई 2022 को सायं 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक हिन्दी भवन विष्णु दिगंबर मार्ग, राउस एवेन्यू, नई दिल्ली-110002 में तीज उत्सव का कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इस अवसर पर आप सभी कार्यक्रमानुसार सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

कार्यक्रम

1) रजिस्ट्रेशन : 3.15 बजे से
2) तंबोला (सभा की ओर से)
3) ईश वंदना
4) दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजली
5) दीप प्रज्ज्वलन एवं संतो पर माल्यार्पण
6) पूर्व प्रधानों का सम्मान
7) प्रधान का प्रतिवेदन
8) सभानेत्री का सम्मान एवं सम्बोधन
9) सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ
10) गणेश वंदना
11) 'नच बलिये-2' के विजेताओं का नृत्य एवं सम्मान।

12) युगल नृत्य
13) सरप्राइज
14) सामूहिक नृत्य
15) नववधूओं का स्वागत
16) मेधावी छात्राओं का सम्मान
17) सचिव का संबोधन
18) फैशन शो
19) लक्की ड्रॉ
20) जलपान

गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम को अधिक रोचक बनाने के प्रयास किये गये हैं। इस वर्ष हम फैशन शो को एक नवीन एवं मनोरंजक रूप में लेकर आ रहे हैं। फैशन शो की थीम है-युगल जोड़ी। युगल जोड़ी में फैशन शो का आयोजन किया गया है जिसमें (सास-बहू), (मां-बेटी), (ननद-भावज), (जेठानी-देवरानी) एवं (बहनों) की जोड़ियां मिलकर प्रतियोगिता में भाग लेंगी।

आप सभी से अनुरोध है कि इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर प्रतियोगिता को सफल बनाएं। 10 प्रतियोगी या अधिक नाम प्राप्त होने पर ही इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के लिये अपना नाम 5 जुलाई, 2022 तक प्रधान श्रीमती आरती जी (9818884535) अथवा सचिव श्रीमती नीता जी (9910288633) के पास अवश्य भेज दें, जिससे हम प्रतियोगिता का आयोजन कर सकें। प्रतियोगिता का निर्णय माननीय निर्णायकों द्वारा किया जायेगा जो सर्वमान्य होगा।

आप समस्त बहनों से अनुरोध है कि आप सभी गुलाबी परिधान (साड़ी अथवा लहंगा) में सुसज्जित होकर तथा मेहंदी भरे हाथ लेकर आएं, कुछ सरप्राइज आपका इंतजार कर रहे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में इस वर्ष सामूहिक नृत्य में 'राजस्थानी घूमर' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें तीन से अधिक प्रतिभागी होने चाहिये। सामूहिक नृत्य के लिए समय सीमा 4 मिनट निर्धारित की गई है। युगल नृत्य के लिए 'ब्लैक एंड व्हाइट' के समय के नृत्य की थीम रखी गयी है। युगल नृत्य के

लिए समय सीमा 2.5 मिनट निर्धारित की गयी है। उपरोक्त विषय में अधिक जानकारी के लिए आप प्रधान अथवा सचिव से संपर्क कर सकते हैं। अपने गाने के बोल 5 जुलाई 2022 तक श्रीमती रश्मि जी (9810306540) अथवा ऋचा जी (9910188633) को 5 जुलाई 2022 तक लिखवा दें।

नववधुओं का स्वागत व एकल नृत्य–हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नववधुओं का स्वागत सभा की ओर से किया जाएगा अतः आप सभी से अनुरोध है कि जिन दंपतियों का विवाह 4 अगस्त 2019 से 28 जुलाई 2022 के बीच हुआ हो वह अपने नाम 29 जुलाई 2022 तक प्रधान या सचिव के पास अवश्य भेज दें। नववधु एकल नृत्य भी प्रस्तुत कर सकती है।

पुरस्कार संबंधी सूचना (2020, 2021, 2022)–हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी निम्नलिखित पुरस्कार दिये जायेंगे। यह पुरस्कार कमेटी द्वारा तय किये जाते हैं।

1) **श्रीमती ज्ञानवती रामेश्वर प्रसाद पुरस्कार**–यह पुरस्कार 12वीं कक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को दिया जाता है।

2) **श्रीमती रंजना बृजभूषण स्थापित शिक्षा निधि**–यह पुरस्कार 10वीं कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को दिया जाता है।

3) **श्रीमती अंजू व डॉक्टर प्रदीप स्थापित शिक्षा निधि**–यह पुरस्कार 10वीं कक्षा में विज्ञान विषय में व 12वीं कक्षा में कैमिस्ट्री विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को दिया जाता है।

4) **श्रीमती विनीता धर्मपत्नी श्री संजय (लखनऊ), संतोष जी बालकिशन जी शिक्षा निधि**–यह पुरस्कार 12वीं कक्षा में कला विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को दिया जाता है।

5) **श्रीमती बीना जी व विजय जी द्वारा स्थापित निधि**–विधवा या आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को इस निधि द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। जो भी सदस्य इस निधि का लाभ उठाना चाहते हैं हमसे संपर्क कर सकते हैं।

6) श्री इन्द्रजीत जी व श्यामा जी द्वारा स्थापित निधि–विधवा या आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को इस निधि से सहायता प्रदान की जाती है। अतः इच्छुक व्यक्ति हमसे सम्पर्क कर सकते हैं।

7) **स्व. चंद्रकांता व स्व. भगवती प्रसाद निधि** – इस निधि के ब्याज से तीज उत्सव के सांस्कृतिक कार्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम को पुरस्कार दिया जाता है।

इस वर्ष 2020, 2021 व 2022 की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, अतः उपर्युक्त पुरस्कारों के लिए अपने नाम अपने अंक तालिका के साथ 5 जुलाई, 2022 तक श्रीमती आरती जी या सचिव श्रीमती नीता जी को भिजवा दें। उपर्युक्त निधियों का लाभ लेने हेतु अपने आप प्रधान श्रीमती आरती जी व सचिव श्रीमती नीता जी से संपर्क कर सकते हैं।

आरती भार्गव (प्रधान)
75, अग्रोहा कुंज, रोहिणी सैक्टर-13
दिल्ली-110085
दूरभाष : 9818884535

नीता भार्गव (सचिव)
बी-53, राधाकृष्ण लेन,
कौशांबी, गाजियाबाद
दूरभाष : 9910288633

विवाह आदि शुभ अवसरों पर 'भार्गव समाचार दर्शिका' को मुक्त हस्त से दान दें। **सम्पादक**

With best compliments from Om Prakash Bhargava

BHARGAVA PLASTICS

Manufacturers of :

POLYTHLENE TUBES, BAGS & SHEETS

Sales Office
1/9804, West Gorakh Park, Gali No.1, Babarpur Road,
Opp Hanuman Mandir, Shahdara, Delhi-110032
Phone : 22824533

Factory
L-97, Sector-1, Udyog Vihar, Bawana Industrial Area
Bawana, Delhi-110039 • Phone : 27750458
Phone : 9312280965 Mobile : 9810447989

नोएडा भार्गव सभा

तीज उत्सव रविवार, दिनांक 24 जुलाई, 2022 प्रातः 11.00 बजे से
स्थान : ATS Advantage Club House, Ph-1, Indirapuram
सपरिवार सादर आमंत्रण

नोएडा भार्गव सभा रविवार दिनांक 24 जुलाई 2022 को प्रातः 11 बजे से दोपहर भोज तक ATS Advantage Club House, Ph-1, Indirapuram, Ghaziabad में तीज उत्सव का कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है। इसमें तम्बोला, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विभिन्न खेलों का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं। इसके लिए 300/- प्रति व्यक्ति का शुल्क रखा गया है। 5 वर्ष से 10 वर्ष के लिए 150/- का शुल्क रखा गया है। 5 वर्ष से कम उम्र के लिए कोई शुल्क नही हैं। कार्यक्रम के अन्त में दोपहर भोजन का आयोजन होगा। कार्यक्रम के सुचारु आयोजन के लिए कृपया सचिव को पूर्व में सूचित कर दें ।

दूरभाषः 9810121278 — अमित भार्गव (सचिव)

व्रत-पर्व तथा त्यौहारों की सूची (सम्वत् 2079)

वार	सन् 2022	व्रत-पर्व
		आषाढ़ (शुक्ल पक्ष)
शुक्र.	1 जुलाई	**रथयात्रा (श्री जगन्नाथ जी)**
रवि.	10 जुलाई	एकादशी (हरिशयनी)
सोम.	11 जुलाई	सोम प्रदोष
बुध.	13 जुलाई	पूर्णिमा (व्रत एवं स्नान)/**गुरु पूर्णिमा**
		श्रावण (कृष्ण पक्ष)
रवि.	17 जुलाई	चतुर्थी (बैल चौथ)
सोम.	18 जुलाई	**नागपंचमी (भार्गवों में)**
रवि.	24 जुलाई	एकादशी (कामदा)
सोम.	25 जुलाई	सोम प्रदोष
बृह.	28 जुलाई	अमावस्या (हरियाली)
		श्रावण (शुक्ल पक्ष)
रवि.	31 जुलाई	हरियाली तीज (झूला)
मंगल.	2 अगस्त	**नागपंचमी (गुड़िया)**

With Best Compliments From :

Late Shri J.N. Bhargava (M.A.)

Founder

JOLLY ENGINEERING WORKS

Manufacturers of :

QUALITY HINGES & HARDWARE GOODS

1/3, ROOP NAGAR, DELHI-110007

Phones : Factory cum Office : 23911688

Fax : 23916512

Resi. : 23950878, 23916807

e-mail : jollyenggworks@usa.net

ARYAN CLASSES

INNOVATIVE LEARNING • PROVEN RESULTS

A HIGHLY SPECIALISED PREPARATORY INSTITUTE

FOR IIT-JEE, DTU, BITS & NTSE

Our students achieved highest success percentage
In IIT JEE, BIT SAT, AIEEE for the last five years

PROGRAMME SCHEDULE

For VIII, IX, X, XI and XII students (1 / 2 / 3 / 4 Year Programme)

Special Courses for weak and average students and for genius also.

Special Classes for Board and school sylabus

For Admission cum Scholarship Test Contact : 9711086251

ARYAN CLASSES, Mahesh Bhargav

500/7, Lane No.5, Vishwas Nagar, Delhi 110032 Tel: 011-22387553, 22305075
Email: maheshbhargava97@rediffmail.com, harishkharbanda@rediffmail.com
Visit us at www.aryanclassesonline.com and follow us on

In Memory of Our Father

SHRI GYAN BHARGAVA

MADHUR & COMPANY

Authorised Distributors :

Reid & Taylor

425-426, Ist Floor, Katra Choban,
Chandni Chowk, Delhi-110006
Phones : 23269173, 23257543
Resi. : 26947140, 26944932

Prop. Madhur Bhargava

श्रद्धांजलि-श्री गोपाल कृष्ण भार्गव

श्री गोपाल कृष्ण भार्गव जी का जन्म 4 मई, 1949 को स्व. श्री बनवारी लाल भार्गव एवं श्रीमती कमल कान्ति भार्गव के यहां गुरुग्राम में हुआ। आपकी शिक्षा जयपुर में सम्पन्न हुई। आप सन् 1969 में दिल्ली आए। यहां पर करोलबाग में 250/- प्रति माह के वेतन पर आपने जीवन की नई शुरुआत की। आपने अपने छोटे भाई श्री राधा कृष्ण भार्गव के साथ मिलकर 1972 में 5000/- का लोन लेकर अपने व्यवसाय की शुरुआत की। दोनों ने दिन रात मेहनत करके फर्नीचर का कारोबार स्थापित किया और पूरे भारत में अपनी पहचान बनाई। आपका विवाह श्रीमती शर्मिष्ठा भार्गव पुत्री श्री रघुवीर प्रसाद भार्गव एवं श्रीमती कृपा कांति भार्गव मथुरा निवासी के साथ 15 फरवरी, 1975 को हुआ।

शुरू से ही आपका संयुक्त परिवार रहा है और आपने सबको एक सूत्र में बांधकर रखा है। आपने घर के सभी बच्चों को उच्च संस्कार दिये और इस लायक बनाया कि आपका नाम आगे बढ़ा सकें। सभी जिम्मेदारियां पूरी करते-करते आपकी आंखों की रोशनी कम होने लगी। आपकी पत्नी ने साये की तरह आपकी यथासम्भव सेवा की और पूर्ण दृष्टिहीन होने पर आपकी आंखें बनीं। आपने सदैव बच्चों को सिखाया कि किस तरह परिवार को एक रखना है। किस तरह सामाजिक होना है। हर क्षेत्र में आपने अपना पूर्ण योगदान दिया।

Confidence और Leadership आप में कूट-कूट कर भरी थी। आपका भार्गव सभा में भी विशेष योगदान रहा है। दिल्ली भार्गव सभा में अनेक वर्षों तक कोषाध्यक्ष का पद सम्भाला। दो वर्ष उपाध्यक्ष भी रहे। उसके बाद आप आंखों की रोशनी जाने के कारण भार्गव समाज की सेवा नहीं कर पाए तथा अपने पुत्र मोहित को इस कार्य के लिये प्रेरित किया। जनवरी 2020 में Delhi Bhargava Sabha द्वारा Life Time Achievement Award से आपको सम्मानित किया गया। दृष्टिहीन होने के बावजूद भी आप सभी कार्य स्वयं करते थे। आप घूमने के अत्यंत शौकीन थे। आप धार्मिक प्रवृत्ति के थे, कृष्णानगर में श्री दुर्गा मन्दिर में आपने विशेष योगदान दिया।

दृष्टिहीन होने पर भी आपने धर्मपत्नी के साथ सभी तीर्थ किये और बच्चों को प्रोत्साहित किया और अपने सामने ही सभी तीर्थ पूरे कराये। आप खाने-खिलाने के अत्यंत शौकीन थे। दृष्टिहीन होने के बावजूद आपकी स्मरण शक्ति इतनी तेज थी कि आप व्यक्ति की आवाज से ही उसे पहचान लेते थे कि कौन बात कर रहा है। 6 नवम्बर, 2019 को आपकी पत्नी श्रीमती शर्मिष्ठा भार्गव का स्वर्गवास हो गया। उनके जाने के बाद आपके प्रति आपकी सभी जिम्मेदारियां आपके भाई श्री राधा कृष्ण भार्गव ने संभाली। हर जगह आपके भाई आपके साथ साये की तरह रहते थे। अभी 25 मई, 2022 को आप अपने भाई के साथ दमन से ट्रेन से लौट रहे थे। ट्रेन में सफर करते करते आप इतने confident थे कि चलती ट्रेन में स्वयं ही washroom जाकर वापस सीट पर आ जाते थे। परंतु उस दिन भगवान को कुछ और ही मंजूर था। उस दिन 8.30 बजे हाथ धोने के लिए compartment से बाहर निकले और ट्रेन का दरवाजा खुला होने के कारण चलती ट्रेन से बाहर गिर गये और भगवान ने आपको हमेशा के लिये हमसे छीन लिया। आपने Meghnagar, Madhya Pradesh में अपनी अंतिम श्वास ली।

Meghnagar की वो भयानक रात हम कभी नहीं भूलेंगे। उस रात में हमने बहुत कुछ खोया परंतु उस दिन कुछ मिसालें भी बनीं। Meghnagar के Rotary Member Shri Bharat Mistri ji का मैं विशेष आभारी हूं जिन्होंने पापा से हमारी आखिरी मुलाकात कराने में पूर्ण सहयोग दिया। सेवा एवं सम्पर्क को एक नया आयाम दिया और दिन रात की परवाह ना करते हुए मानवता को नये शिखर पर पहुंचाया। साथ ही मैं अपने मित्र श्री Nitesh Gupta एवं Dr. Salil Bhargava इंदौर का भी अपने एवं अपने पूरे परिवार की ओर से धन्यवाद करना चाहूंगा जिन्होंने तब मदद की जब हम हताश हो चुके थे।

बुलंद आवाज और अद्‌भुत सादगी की थे आप मिसाल।
देख नहीं सकते थे फिर भी आत्मविश्वास की थे मशाल।।

नामुमकिन है भूलना आपके हृदय की विशालता। प्रभु आपको अपने चरणों में स्थान दे और हमें यह दुख सहने की शक्ति दे।

आपकी उठावनी के अवसर पर अ.भा. भार्गव सभा, दिल्ली भार्गव सभा, भार्गव महिला सभा दिल्ली, दिल्ली भार्गव युवा संघ, अखिल भारतीय भार्गव युवा संघ एवं अनेक संस्थाओं द्वारा आपको भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी।

'भार्गव समाचार दर्शिका' परिवार की ओर से आपको भावभीनी श्रद्धांजलि।

ओम शांति! शांति!! शांति!!!

माँ को समर्पित

(8 मई मातृ दिवस के अवसर पर)

कल्पना और सपनों ने अनजाने में दी दस्तक।
यादों के भारी भरकम भार से भारी हुआ मस्तक।
स्मृति पटल पर एक धुँधली सी छाप छोड़ गया।
बोलती बन्द, सहमा सा निहारता ही रह गया।
नजर का ठिठोना माँ की ममता की याद दिलाता।
प्यार भरे हाथों की गर्माहट से थकान दूर भगाता।
जब माँ की गोद में मिलता था सुख चैन,
अब कहाँ गये खो, वे दिन और रैन।
माँ का चाँद को आसमान में दिखलाना।
अपना भाई बताकर मेरा मामा कहलाना।
माँ के कन्धे पर लटका मेरा बस्ता भारी।
एक हाथ में वाटर बोतल, दूजे में उँगली मेरी।
पप्पी लेने देने पर अधिकार था पूरा मेरा।
हेरा फेरी से दूर, शुद्ध सरल मन था मेरा।
जब माँ की गोद में मिलता था जो सुख चैन,
अब कहाँ गये खो, वे दिन और रैन।
हँसना रोना, सू सू कर, सबको गीला करना।
ऊटपटाँग शैतानी कर सबके मन को हरना।
लड़-झगड़, गंदा धूल भरा मुख लेकर घर आना।
उलहानों को पी, माँ का आँचल में भर लेना।
बड़े भाई को डाँट प्यार भरी चपत लगाना।
सब गया अब तो केवल सपना भर रह गया।
जब माँ की गोद में मिलता था जो सुख चैन,
अब कहाँ गये खो, वे दिन और रैन।

सरस्वती बन कलम पकड़ा विद्या का ज्ञान दिलाया।
संस्कार दिलाने नित्य पूजा पाठ कर संस्कार समझाया।
गिलास लिए हाथ में भाग भाग कर दूध पिलाना।
मन आज उदास व्याकुल है पाने आशीर्वाद तुम्हारा।
मेरे व पापा के बीच पेन्डुलम बन कर्तव्य निभाया।
वक्त है बड़ा छलिया जिसने माँ को मॉम बनाया।
जब माँ की गोद में मिलता था जो सुख चैन,
'बाल' कहें अब कहाँ गये खो, वे दिन और रैन।

(संतोष)-बाल कृष्ण भार्गव,
193-डी., डी.डी.ए. फ्लैटस (एम.आई.जी.), राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली. मो.: 9891910968, 25972177

स्व. श्रीमती संध्या भार्गव-स्व. श्री राजेश भार्गव, 108 चन्द्रलोक एन्क्लेव, दिल्ली की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पुत्र-पुत्रवधू विनीत-मानवी, उदित-रतनप्रिया, पौत्र विवान द्वारा दिनांक 14 मई, 2022 को अपराह्न 12 बजे से भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 2000 लोगों ने भण्डारा ग्रहण किया। आपकी मधुर स्मृति, स्नेह एवं आदर्श सदैव ही प्रेरणादायक रहेंगे। आपको भावभीनी श्रद्धांजलि।

योगेश भार्गव (मुख्य संरक्षक), भार्गव समाचार दर्शिका

IN MEMORY OF

LATE SHRI RAJ NARAIN BHARGAVA

J. NORAIN & SON
GASKETS & MATERIALS

Dealers of Asbestos Jointing Sheets
Aromatic Chemicals and Compounds

A-55/1, G.T. Karnal Road Indl. Area, Delhi-110033
Phone : 27428587, 47065521
E-mail : paras1966@hotmail.com
Mobile : 9810158418
Resi. : 011-27020222

In Memory of :

Shri Dwarka Prashad Bhargava Smt. Devki Bhargava

Harikant - Neelam Bhargava
Gaurav - Shilpa Bhargava
Shaurya Bhargava and Shanaya Bhargava

With Best Compliments from :

KISHORI LAL AGENCIES

Wholesale Paper and Board Merchants

Wiro, Spiral, Diary, Calendar, Wedding Card and Boxes

❖ ❖ ❖

ARTEM FORTUNE

Artist Paper & Paper Products

73, Chawri Bazar, Delhi-110006

Davender # 9312973134   Arvind # 8178332744
Praveen # 9810019290   Harshit # 9871236197

E-mail :kishorilal73@gmail.com, fortunecallsyou@gmail.com

With Best Compliments from :

Dr. Pradeep Kumar Bhargava & Anju Bhargava

C-101, Anupam Apartments, Delhi-110032
Mob. : 9810035992, 9810759448

Rajender Nath Bhargava
Narender Bhargava *Gunjan Bhargava*

UMA UNIFORMS

Mfrs. of : All kinds of Uniforms

Specialists in :
School, Hospital, Staff, Workshop Uniforms

C-18, GALI NO. 3, VILLAGE KOTLA,
MAYUR VIHAR, PHASE-1, DELHI-110091
Ph. : 9868222734

स्नेह सम्मेलन के अवसर पर सम्मानित सदस्य

श्री सुरेश भार्गव (लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड)

श्री कृष्ण प्रसाद भार्गव (रतन) (लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड)

प्रो. डॉ. दयानन्द भार्गव (विशेष सम्मान)

दिल्ली भार्गव सभा के स्नेह सम्मेलन के अवसर पर 'लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित श्री सुरेश जी द्वारा 5,00,000/- की निधि का गठन

दिल्ली भार्गव सभा द्वारा समाज के सम्माननीय सदस्यों को Life Time Achievement Award देने का कार्य कई वर्षों से किया जा रहा है। इस वर्ष हम यह अवार्ड उस शक्स को देने जा रहे है जो कमजोर वर्ग की कन्याओं को उच्च शिक्षा दिलाने, कन्या विवाह में और जरुरतमंद लोगों की हरसम्भव मदद करते हैं। वे हैं दिल्ली भार्गव सभा के संरक्षक एवं अ.भा. भार्गव सभा के पूर्व प्रधान श्री सुरेश जी। सम्माननीय सुरेश जी का जन्म 26 जून, 1952 को श्री ओंकार नाथ भार्गव (अलवर निवासी) के यहां हुआ। प्रारंभिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद संधर्ष पूर्ण समय बिताने के बाद आपने अपना व्यवसाय आरम्भ करा। सुरेश जी कांग्रेस के कर्मठ कार्यकर्ता रहे हैं। आपने स्व. लाला राम चरण अग्रवाल एवं उनके पुत्र जय प्रकाश अग्रवाल के साथ समाज सेवा के कई कार्य करे। Emergency के समय एवं चीन के साथ युद्ध में आप सक्रिय कार्यकर्ता के रुप में रहे। लोगों की हरसंभव सहायता करी।

आपका विवाह श्रीमती नीरा जी पूर्व प्रधान दिल्ली भार्गव सभा के साथ 27 अप्रैल 1980 को हुआ। आपके तीन पुत्रियाँ हैं जो अपना सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत कर रही हैं। विवाह के उपरान्त आप कुछ समय के लिए Soudi Arabia भी काम के लिए गए।

वहाँ से लोटने के उपरान्त सुरेश जी सिदार्थ एंक्लेव में अपना प्रोपटी का व्यवसाय कर रहे है। श्री सुरेश भार्गव एक ऐसी सख्सियत रहे हैं जो उनके मदुल व्यवहार, कर्मशील सदैव सजग विचारों के लिए जाने जाते हैं। आप भार्गव समाज को हर समय अधिक ऊंचाई पर पहुंचाने के लिए भरपूर प्रयत्नशील रहे। दिल्ली भार्गव सभा के लिए चाहे स्नेह सम्मेलन का आयोजन करना हो, या कोइ ओर कार्यक्रम आयोजित करना हो, समय-समय पर सरिता विहार में उन्होंने इसकी व्यवस्था का प्रबन्ध कराया। इसमें उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नीरा भार्गव, जो कि उनके साथ सहयोग देने में तत्पर रहीं और पूर्ण रूप से समाज के लिए समर्पित हैं। उनका घर व कार्यालय सदैव ही सभा की बैठकों के लिए उपलब्ध रहा है। आपका समाज के जरूरतमंद परिवारों को

हरसंभव सहायता प्रदान करने में अतुलनीय योगदान रहा है। आप कई कन्याओं को भी उच्च शिक्षा प्रदान करने में अपना पूरा सहयोग दे रहे हैं जिससे वे कन्या स्वावलम्भि बन सकें।

आपकी रुचि युवावस्था से ही भार्गव समाज सेवा में रही है। आप भार्गव युवा संघ दिल्ली के कार्यकारिणी सदस्य व उपप्रधान रहे। आप सन् 1995 से सन् 2001 तक अ.भा. भार्गव सभा के उप-प्रधान पद पर कार्य किया। आप सन् 2001 से 2005 तक अ.भा. भार्गव सभा के प्रधान पद पर चुने गए।

आपकी प्रधानता में अ.भा. भार्गव सभा में बहुत से रचनात्मक कार्य हुए। सुरेश जी को 174 जोरबाग को खाली कराने का पूरा श्रेय जाता है। आपके अथक प्रयास से ही यह जगह खाली हो पाई जहाँ अब 4 मंजिला भवन बन गया है जिसकी आय से आज समाज के उत्थान के काफी कार्य हो रहे हैं। बेनी प्रसाद टस्ट की जगह खाली कराने में भी आपका सराहनीय योगदान रहा है।

सन् 2003 में ढोसी मंदिर में नवमूर्ति प्राणप्रतिष्ठा का कार्य स्व. ओम प्रकाश जी शाहदरा के साथ आप ही के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। आपका हर वर्ष ढोसी मंदिर को बेहतर बनाने में आपका महत्वपूर्ण प्रयास रहता है। आप अ.भा. भार्गव सभा की केन्द्रीय जायदाद समिति एवं समन्वय समिति के प्रधान रहे। रेवाड़ी जायदाद समिति, भार्गव आश्रम हरिद्वार गंगा आश्रम समिति, ढोसी मंदिर के आप सदस्य व संयोजक रह चुके हैं। आपका समाज सेवा में योगदान सराहनीय है। इन उपलब्धियों को देखते हुए आप प्रशंसा के पात्र हैं।

आपकी समाज के प्रति सेवा को देखते हुए आपको 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' देते हुए सभा व समाज अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

श्री सुरेश जी एवं श्रीमती नीरा जी द्वारा इस अवसर पर 5,00,000/- की निधि का गठन करने की घोषणा की गयी जो आपके द्वारा पूर्व में स्थापित 'स्व. श्री ओंकारनाथ-श्रीमती उमा देवी एवं स्व. श्री रमाशंकर-श्रीमती सुशीला देवी निधि' में जोड़ा जायेगा। अब इस निधि की मूल राशि 5,50,000/- हो गयी है। इस राशि से प्राप्त ब्याज का 75% सभा द्वारा स्नेह सम्मेलन के अवसर पर वरिष्ठ सदस्यों को दिये जाने वाले शॉल एवं सभा के दैनिक खर्चों में इस्तेमाल किया जायेगा। श्री सुरेश जी-नीरा जी का हार्दिक धन्यवाद।

संजीव भार्गव (संयोजक) कल्याण निधि, दिल्ली भार्गव सभा

In Memory of

SHRI KRISHAN KUMAR — SMT. SARLA BHARGAVA
1924-2009 **1928-2005**

raymond SHOP

MOHAN LAL BHARGAVA & CO.

SINCE 1920

1845, FOUNTAIN, CHANDNI CHOWK
DELHI-110006

PHONE : 23269599 · FAX : 23254821

E-mail : mlb1845@gmail.com

In Memory of

Shri Nihal Chand Bhargava

Smt. Kanti Devi Bhargava

Shri Ramesh Chand Bhargava

Smt. Sandhya Bhargava

Eyetec Opticians

200, KATRA BARYAN, FATEHPURI,
DELHI - 110 006 (INDIA)
Phone Off. : 011-23939670, 23919811

Eyetec Optics

211, SOUTHEX TOWER, 2nd FLOOR
389, MASJID MOTH, SOUTH EXTN. PART - 2
NEW DELHI-110049 (INDIA)

G-14, SOUTHEX PLAZA-I, NEAR MASJID MOTH,
NDSE-II, NEW DELHI-110049 (INDIA)
Mobile : 9310272546, 9711860713
E-mail : eyetecoptics@hotmail.com

Lokesh Bhargava **Neeraj Bhargava**

दिल्ली भार्गव सभा के स्नेह सम्मेलन के अवसर पर 'लाईफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड' से सम्मानित श्री कृष्ण प्रसाद भार्गव (रतन)

भार्गव जाति के गौरव श्री कृष्ण प्रसाद भार्गव का जन्म 29.12.1936 को एक साधारण मध्यम शिक्षित आय वर्ग, मथुरा वासी स्व. श्री राजेश्वर प्रसाद, सुपौत्र श्री रामचन्द्र भार्गव एवं स्व. श्रीमती बसन्ती भार्गव सुपुत्री स्व. श्री रामजीलाल भार्गव रेवाड़ी के घर दिल्ली में हुआ। आपने होनहार बिरवान के होत चीकने पात मुहावरे को साक्षात् रूप से सच कर दिया। 11 माह की आयु में रेवाड़ी शहर में British काल में हुये Baby show में आपने 1937 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। तभी से आपके जीवन में पुरस्कारों का तांता लगा रहा। आपकी समस्त शिक्षा दिल्ली, मथुरा और आगरा में हुई। आगरा से B.Com, दिल्ली यूनिवर्सिटी से LLB, Proficiency in Law व M.A. (Economics) अर्थशास्त्र में प्रथम वर्ष। पढ़ाई के साथ साथ आपकी रुचि खेल-कूद में विशेष रूप से रही।

आपका विवाह श्रीमती पुष्पा भार्गव के साथ 15 मई, 1965 को सम्पन्न हुआ। आपके दो पुत्र इंजीनियर और एक पुत्री Delhi/NcR में रहते हैं। आपके 4 पोता-पोती और 2 नाती-नातिन हैं।

आपने अखिल भारतीय भार्गव सभा एवं दिल्ली भार्गव सभा में अनगिनत पुरस्कार प्राप्त किये। TT, Badminton, Billiards, Chess, Hockey, Carrom, Cricket आपके प्रिय खेल रहे। DDCA Club की Billiards championship जीती। Times of India, American Embassy, Delhi Bar Association में भी विभिन्न पुरस्कार जीते।

दिल्ली में 1972 में अखिल भारतीय भार्गव सभा के conference में खेल-कूद के संयोजक पद पर रहे एवं आपने उच्चतम स्तर पर National Stadium और Maulana Azad Medical College में खेलों का आयोजन किया। इसी वर्ष Hockey जैसे खेलों को Revive किया। आपने 1974-75 में Delhi Bhargava Sabha के महामंत्री के पद पर आसीन रहकर भार्गव समाज की सेवा की। आप Akhil Bhartiya Yuva Sangh Sp;orts Committee के Vice-President रहे औरयुवा संघ की संस्था को ऊपर लाने में आपका योगदान

रहा। आपने दिल्ली भार्गव महिला सभा के कार्यक्रमों में जैसे आनंदमेला के सफल आयोजन में अपना सहयोग दिया।

Times of India में, American E,mbassy US, Swedish embassy में Asstt. Circulation Manager & Information/Cultural/ Administrative Officer के पद पर कार्यरते रहे।सन् 1976 में आपने Govt. of Sweden से Cash award प्राप्त किया ओर 1977 में Swedish Government के सौजन्य से Stockholm में Conference attend कर देश को गौरवान्वित किया।

आप 2001 में सेवानिवृत्त होने के बाद दिल्ली High Court और Supreme Court में Legal Practice में आ गये। आपकी खेलों में रुचि, समाज सेवा के कारण, 2006 में Supreme Court Bar Association के Executive Member चुने गये जो कि एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आपने 5-6 बार Supreme Court में Cricket Tournament जो कि High Court-Supreme Court Lawyers के बीच होता है, 72 साल की उम्र होने तक भाग लिया और एक साल Best Batsman भी हुए जो कि एक सराहनीय बात हे।

आपको सुप्रीम कोर्ट बार काउंसिल द्वारा सन् 2001 Vidhi Ratan पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आपकी विशेष रूप से संगीत और बागवानी में रुचि रही है तथा स्टैम्प कलेक्शन का भी आपका शौक रहा है। आपने अपने घर के प्रांगण में अनेक प्रकार के दुर्लभ फूल व पेड़ पौधे लगाये हुये हैं तथा इंस्टाग्राम/सोशल मीडिया के माध्यम से भी आप इसको आगे बढ़ा रहे हैं।

आप सन् 1973-1974 जब भार्गव सभा के महामंत्री थे तो आपका एक सपना था कि दिल्ली में एक भार्गव धर्मशाला बने जिसके लिए आप प्रयासरत रहे परंतु आपका यह सपना अधूरा रह गया। आज इस सभा में उपस्थित सभी मान्यवरों से अनुरोध है कि इसके विषय में सोचें और अपने भार्गव समाज का दिल्ली में एक कम्यूनिटी सेंटर बनाने के लिए अपना सहयोग दें।

संजीव भार्गव (संयोजक) कल्याण निधि, दिल्ली भार्गव सभा

दिल्ली भार्गव सभा के स्नेह सम्मेलन के अवसर पर 'विशेष सम्मान' से सम्मानित प्रो. डॉ. दयानन्द भार्गव

प्रोफ़ेसर डॉ. दयानन्द भार्गव का जन्म बेरोज, अलवर निवासी श्री चिरंजी लाल एवं श्रीमती सूरज कला के यहां फरवरी, 1936 में हुआ। एम.ए. एवं पी.एच. डी. करने के उपरान्त आप दिल्ली यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट और असोसिएट प्रोफ़ेसर के पद पर कार्यरत रहे। प्रिंसिपल पद पर जम्मू में कार्य किया। आपका विवाह श्रीमती लक्ष्मी देवी (सुपुत्री श्री बैजनाथ-श्रीमती विद्यावती, अलीगढ़ निवासी) के साथ 7 मार्च, 1964 को हुआ। आपके तीन पुत्र व पुत्रवधू-डॉ. वरुण-डॉ. अनु, अनन्त-डॉ. रीना (यू.एस.ए.), प्रणव-मणी हैं। आपके पौत्र-पौत्री विदेश से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। डॉ. अपूर्वा (पोस्ट ग्रेजुएशन, कम्यूनिटी मेडिसिन, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया), क्षितिज (कम्प्यूटर साइंस, यू.एस.ए.), आदित्य (यू.एस.ए.), पौत्री अनुष्का (कम्प्यूटर साइंस, मनिपाल यूनिवर्सिटी) में बी.टेक. कर रही है। आप जोधपुर में प्रोफ़ेसर और हेड तथा डीन फैकल्टी ऑफ आर्ट्स एवं एजुकेशन रहे। जोधपुर में ये प्रेसिडेंट भार्गव सभा 20 वर्ष रहे और भृगुवंश नाटक लिखा जिसमें भार्गव लोगों का इतिहास लिखा। भार्गव सभा ने इसे छापा और मंचित किया।

इन्हें निम्न पुरस्कारों से हिन्दुस्तान में सम्मानित किया गया-(1) राष्ट्रपति पुरस्कार, (2) होनरारि डी.लिट., (3) शिक्षा भूषण पुरस्कार, (4) वेदव्यास पुरस्कार, (5) प्रेक्षा पुरस्कार, (6) हस्तिमल पुरस्कार।

राजस्थान में पुरस्कार-(1) शिक्षा सम्मान, (2) शिक्षा विभाग सम्मान, (3) प्रथमा चाणक्य अलंकरण, (4) राजस्थान संस्कृत अकैडमी सम्मान, (5) अमृत सम्मान, (6) सवाई प्रताप सिंह अवार्ड।

अखिल भारतीय भार्गव सभा 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' 100 वर्ष और 125 वर्ष पर दिये गये। आपने अनेक पुस्तकें लिखी हैं और देश-विदेश में भारतीय संस्कृति का प्रचार किया।

प्रोफ़ेसर डॉ. दयानन्द भार्गव को भार्गव समाज में उनके योगदान और भार्गव समाज के इतिहास से समाज का परिचय करवाने तथा विश्व के अनेक देशों में भारतीय दर्शन का प्रचार करने हेतु, दिल्ली भार्गव सभा सम्मान करती है।

संजीव भार्गव (संयोजक) कल्याण निधि, दिल्ली भार्गव सभा

With best compliments from

PRAVIN PAPER PRODUCTS

Manufacturers of :
Cloth Lined Paper, Cloth Centred Paper,
File Covers, File Boards and All Types of Envelopes

28-A, Vidhan Sabha Marg,
Lucknow-226001
Phone : (0522) 2221375, 2223535, 2227733

Associates :
Pradeep Bhargava

P. KUMAR & CO.

40 Cantt Road Lucknow
Phone : (0522) 2221375

Pramod Bhargava / Prabhat Bhargava

PRAVIN PAPER INDUSTRIES

B-34, Site IV Industrial Area,
Sahibabad (Ghaziabad) U.P.
Phone : (95120) 2895476
Resi. : (95120) 2641357
Mobile : 9810644984

Head Office :
58, Chand Ganj Garden, Lucknow
Phone : (0522) 2374733

।। जय माता दी ।।

शाकम्भरी माता कुलदेवी मन्दिर

सकराय, उदयपुरवाटी, जिला-सीकर (राजस्थान)

आप सभी भार्गव बन्धुओं को यह जानकर अति हर्ष होगा कि **''गोलश गोत्र एवं शकरा कुलदेवी परिवार''** द्वारा दिनांक 9 **अक्टूबर,** 2022 **(रविवार)** को शाकम्भरी माता मन्दिर प्रांगण में **गोलश गोत्र एवं शकरा कुलदेवी परिवारों** का द्वितीय स्नेह मिलन व भंडारा (प्रसादी) का आयोजन किया जा रहा है। आप सभी भार्गव बन्धुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शाकम्भरी माता के आशीर्वाद से AC Bus द्वारा माता के दर्शन करवाने हेतु जयपुर से आने-जाने का प्रबन्ध किया जाएगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी शीघ्र ही प्रेषित की जाएगी। अतः सभी से निवेदन है कि जो भी मां शाकम्भरी के मंदिर दर्शन हेतु चलना चाहते हैं, वह अपना प्रोग्राम बनाकर हमें बतायें। जो लोग दूर से आ रहे हैं, वे अपना रिजर्वेशन जल्द करवाएं। उनके ठहरने की व्यवस्था 9 व 10 अक्टूबर को जयपुर में कर दी जायेगी।

समस्त शकरा कुलदेवी परिवारों एवं सभी भार्गव बन्धुओं से विनम्र निवेदन है कि 9 **अक्टूबर,** 2022 को मन्दिर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पूजन, हवन व भंडारे (प्रसादी) में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं।

आप सभी बन्धुओं से निवेदन है कि आप अपने मन्दिर पहुंचने का कार्यक्रम हमें अवश्य बतायें, जिससे की उचित व्यवस्था की जा सके।

सम्पर्क सूत्रः

अंकुर भार्गव (जयपुर)
7976680919, 9829059625

पंकज भार्गव (जयपुर)
9001195932

अतुल भार्गव (जयपुर)
9214069399

अमित भार्गव (महेन्द्रगढ़)
9896302586

संजीव भार्गव (दिल्ली)
9136229066

अनूप भार्गव (दिल्ली)
9818562727

रवीन्द्र भार्गव (जयपुर)
9462410277

मार्ग की अधिक जानकारी के लिये नीचे दिये गये लिंक को अपने ब्राउजर में खोलें-http://www.srishakambharimata.com/ViewMap.html

धन्यवाद।

With Best Compliments from :

Anil Bhargava : 9810024116
Rajat Bhargava : 9873434821

Deals in :

Paper ● Paper Board ● Kraft Paper
● Waste Paper ● Polyster Film
● ITC Make Paper Board
● Sakata Make Offset Inks
● Management Consultancy

PRINCIPALS :

- ❖ **Siddharth Papers Pvt. Ltd.**
- ❖ **Siddheshwari Paper Udyog Pvt. Ltd.**
- ❖ **N S Papers Ltd**
- ❖ **Polyplex Corporation Ltd.**
- ❖ **Sakata Inx (India) Pvt. Ltd.**
- ❖ **Anand Duplex Ltd.**

ABBA CONSULTANTS PVT. LTD.

107, Siddhartha Chambers, 55-A,
Kalu Sarai, Hauz Khas, New Delhi-110016
Email Id: *anilbhargava@gmail.com,*
rajat14@gmail.com

गीता में आहार की महिमा

वेद प्रकाश राठी/चेतन भार्गव

संसार में कोई भी प्राणी अन्न के बिना देह-धारण नहीं कर सकता। प्राणी के शरीर का विकास, रख-रखाव, ऊर्जा, सुरक्षा, ये सभी आहार से ही संभव होते हैं। इसलिए, योग में स्थूल शरीर को अन्नमय कोष कहा गया है। गीता में आहार-अनिवार्यता के इस सिद्धांत को भगवान श्रीकृष्ण ने वर्णित किया है:-

अन्नात् भवन्ति भूतानि, पर्जान्यात् अन्न सम्भव।
यज्ञात् भवति पर्जन्ये, यज्ञ कर्मसमुद्भवः॥ (3/14)

सम्पूर्ण प्राणी अन्न से उत्पन्न होते हैं, अन्न की उत्पति वृष्टि से होती है तथा वृष्टि यज्ञ से होती है, और यह यज्ञ विहित कर्मों से उत्पन्न होने वाला है।

गीता के इस सिद्धान्त अनुसार पंच तत्वों से उत्पादित अन्न से शरीर को प्राण तत्व प्राप्त होता है। प्राणी जीवित रहने के लिए जो भी प्राण तत्व से भरपूर आहार खाता है वही उसका अन्न होता है। उदाहरण के लिए, मिट्टी का कीड़ा मिट्टी खाकर, पत्ते का कीड़ा पत्ता खाकर जीता है तब यही खाद्य इनका अन्न है जिससे वे जीवित रहते हैं।

प्रत्येक व्यक्ति अपनी पसन्द से अपना आहार चुनता है। संसाधित आहार जैसे चीनी, नमक, मैदा, चिकनाई या पैकेटों और डिब्बों में बन्द खाद्य या वातित पेय (aerated drinks) का चलन अधिक होता जा रहा है। ईश्वर या प्रकृति द्वारा उत्पादित खाद्य पदार्थों से इसके मूल तत्वों को रसायनिक क्रियाओं द्वारा नष्ट या परिवर्तित करके संसाधित भोज्य पदार्थों का निर्माण किया जाता है। आहार का स्वाद और भण्डारण क्षमता बढ़ जाती है। लेकिन इन आहारों में प्राण तत्व की कमी हो जाती है। स्वाद के कारण मात्रा भी अधिक खाई जाती है। ऐसे भोज्य पदार्थ शरीर को रोगी बनाते है। शरीर के अंगों को विभिन्न प्रकार के पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। पोषक तत्वों की शरीर में यह आवश्यकता आयु, कार्यशैली, स्थान तथा ऋतु के अनुसार बदलती रहती है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने आवश्यकता के सिद्धान्त का विवेचन करते हुए कहा है:

युक्ताहार विहारस्य युक्त चेष्टस्य कर्मसु।
युक्त स्वपन्ना वोधस्य, योगो भवति दुःखहा॥ (6/17)

दुःखों का नाश करने वाला योग तो यथा आहार-विहार करने वाले का कर्मों में यथायोग्य चेष्टा करने वाले का और यथायोग्य सोने तथा जागने वाले का ही

सिद्ध होता है। गीता के इस सिद्धान्त के अनुसार भोजन में शरीर के अनुकूल पौष्टिक तत्व मौजूद हों। भोजन हल्का और थोड़ी मात्रा में हो–ऐसा भोजन ही संतुलित या युक्त आहार होता है।

प्राणी जगत में मानव को छोड़कर सभी प्राणी अपने शरीर की आवश्यकता के अनुसार अपना भोजन खाते हैं। लेकिन मनुष्य सदैव भोजन की आदतों और प्रलोभनों से घिरा रहता है। वह स्वादानुसार कभी कम तथा कभी अधिक खाता है। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने इस मात्रा सिद्धान्त में भोजन की मात्रा पर कहा है–

न अति अश्नतः त योगः अस्ति न च एकान्तम् अनश्नतः।
न च अति स्वपनशीलस्य जाग्रतोः नै व चार्जुन॥

(गीता 6/16**)**

हे अर्जुन यह योग न तो बहुत खाने वाले का और न बिल्कुल नहीं खाने वाले का तथा न बहुत सोने वाले का और न सदा जागने वाले का ही सिद्ध होता है।

इस मात्रा सिद्धांत के अनुसार अधिक खाने वाले का योग सिद्ध नहीं होता। अधिक खाने से पेट बोझिल होता है। शरीर में आलस्य छा जाता है। मात्रा अधिक होने के कारण भोजन ठीक से नहीं पचता है। कुपचन, अजीर्ण रोग पैदा होते हैं। बिल्कुल नहीं खाने से या कम खाने से शरीर कमजोर होता है। मलोत्सर्ग (कब्ज) में रुकावट होती है और रोग पैदा होते हैं।

मनुष्य को स्वल्प मात्रा में खाना चाहिये, यानि खाने के बाद पेट याद नही आये, क्योंकि पेट दो कारणों से याद आता है–अधिक खाने पर या बहुत कम खाने पर यथोचित मात्रा में खाया गया प्राण-तत्वों से पूर्ण आहार रोग मुक्त करता है। भोजन का प्रभाव व्यक्ति के विचारों, आदतों और आन्तरिक वृत्तियों पर बहुत व्यापक रूप से पड़ता है। भोजन के साथ व्यक्ति की पवित्रता और चेतना को निर्मलता जुड़ी रहती है। भोजन चुनने, बनाने और खने में मन के भाव और भावनाएं प्रभावित होती हैं। शान्त भाव से, भगवान को भोग लगाकर ईश्वर को अर्पण किया आहार सरलता से पचता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में अर्पण सिद्धान्त की व्याख्या इस प्रकार की है–

पत्रं, पुष्पं, फलं, तोयम् यः मे भक्तया प्रयच्छति।
तत् अहम् भक्त्युपहृतमश्नामि, प्रयतात्मनः॥ (9/26)

जो कोई भक्त मेरे लिए प्रेम से पत्ते, फूल, फल, जल आदि अर्पण करता है, उस भक्त के प्रेमपूर्वक अर्पण किये आहार को मैं सगुण रूप से प्रकट होकर प्रीति सहित खाता हूँ।

भोजन कितना भी पौष्टिक हो शान्त भाव से नही खाएंगे तो वह शरीर में ठीक से नही पचेगा। भाव और भावनाओं को शुद्ध करके अर्पण भाव से खाया गया भोजन सरलता से पचता है। आत्मिक सुख की इच्छा रखने वाले साधक आहार अर्पण-भाव से खाएं। शरीर ईश्वर की देन है और वह इसका रक्षक है। ईश्वर का वास शरीर में है। ग्रहण किया गया आहार अगर ईश्वर की इच्छानुसार नहीं है तो वह पचेगा नहीं। भगवान श्री कृष्ण ने इसे वर्णित करते हुए कहा है-

अहम् वैश्वानरो भूत्वा प्राणीनाम् देहम् आश्रितः।
प्राणापान समायुक्तः पचामि अन्नम् चतुर्विधम्॥ (15/14)

मैं ही सब प्राणियों के शरीर में स्थित रहने वाला, प्राण और अपान से युक्त अग्निरूप होकर चार प्रकार के अन्न को पचाता हूं।

भोजन को खाने के चार तरीके होते हैं—भक्ष्य यानि चबाकर जैसे कि रोटी, भोज्य यानि निगल कर जैसे की दूध, लेहय यानि चाटकर जैसे कि शहद और चौष्य यानि चूस कर जैसे कि आम या गन्ना। भोजन कितना भी पौष्टिक हो और किसी भी तरीके से खाया जाए, यदि आहार ग्रहण करने वाले ने श्रद्धापूर्वक नहीं खाया तो कुपाच्य ही रहेगा। गीता के अध्याय 17 में भगवान श्री कृष्ण ने आहार करने वाले की निष्ठा और श्रद्धा का प्रकरण विस्तार से समझाया है-

आयुः सत्व बलारोग्य सुख प्रीति विवर्धनाः।
रस्याः स्निग्धा स्थिरा हृद्या आहारः सात्विक प्रियाः॥ (17/8)

सात्विक वृत्तियों वाला व्यक्ति आहार ग्रहण से पहले जान लेगा कि खाए गए आहार का परिणाम क्या होगा। उससे उसकी आयु, सत्व तत्व, बल, अरोग्य, सुख मिलेंगे या नहीं। सात्विक वृत्ति वाले के आहार, रसयुक्त, चिकने, स्थिर रहने वाले, मन को खुश करने वाले होते हैं।

कट्वम्ल लवण अति उष्ण तीक्ष्ण रूक्ष विदाहिनः।
आहाराः राजस्य इष्टाः दुःखशोकामय प्रदाः॥ (17/9)

राजस वृत्ति वाले व्यक्ति स्वाद भाव से खाते हैं। वो बिना परिणाम पर गौर के खाते हैं। उनकी पसन्द होते हैं—कड़वे, खट्टे, लवणयुक्त, बहुत गरम, तीखे, रूखे, दाह कारक पदार्थ। इनके आहार का परिणाम इनको दुःख, चिंता तथा रोग पैदा करता है। तामस वृत्ति वाले को आहार का ज्ञान नहीं होता, और आहार खाने के बाद परिणाम क्या होगा वो जानता ही नहीं है।

यातयाम गतरसम् पूति पर्युणितम् च यत्।
उच्छिष्टम् अपि च अमेध्यम् भोजनम् तामसप्रियम्॥ (17/10)

जो भोजन अधपका, रसरहित, दुर्गन्धयुक्त, बासी और उच्छिष्ट तथा अपवित्र भी है वह भोजन तामस पुरुष को प्रिय होते हैं।

गीता के इस प्रकरण में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि भोजन खाने वाला अपनी वृत्तियों के अनुसार भोजन ग्रहण करता है। तामसिक वृत्तियों वाला व्यक्ति मंद बुद्धि या मूढ़ता के कारण भोजन के परिणाम से अनजान होता है। राजसिक वृत्तियों वाला व्यक्ति भोजन के दुष्परिणाम को जानता है। लेकिन अपने स्वाद या भोजन की आदत से विवश होता है। वह राजस्व भोजन खा कर दु:खी होता है और पश्चाताप करता है। सात्विक वृत्तियों वाला योग-साधक अपने भोजन को सावधानी से चुनता है और खाने से पहले परिणाम को जानकर ही खाता है।

जो आहार हम ग्रहण करते हैं, वह शरीर द्वारा तद्‌रूप में शोषित नहीं किया जाता है। भोज्य पदार्थों में मौजूद तत्व तथा पाचन तंत्र से श्रवित पाचक रस आपस में मिश्रित होकर भोजन का रूपांतरण होता है। इस तरह शरीर में जब खाया गया भोजन पूर्ण रूप से पौष्टिक तत्वों में परिवर्तित हो जाता है तब रक्त-प्रवाह में घुल-मिल जाता है। यह शरीर के सभी भागों और अंगों द्वारा ग्रहण किया जाता है। आहार रूपांतरण की यह प्रक्रिया अत्यंत जटिल होती है।

प्राणी के पास केवल खाने का अधिकार है। भोजन पचाने का अधिकार ईश्वर ने अपने पास रखा है। खाद्य पदार्थों के निर्वाचन का विवेक साधक को होना चाहिए। गीता में आहार-विवेक, दैहिक सुख और आत्मिक सुख का सुन्दर संतुलन बनाता है। साधक को अपने पथ्य के प्रति सदैव जागरुक और सावधान रहना चाहिए। साधू सदैव भिक्षा मांग कर खाते है। उन्हें रूखा, सूखा, तीखा या बासी भोजन भी प्राप्त होता है जो कि राजसिक या तामसिक भी होता है। पर वो उसे भगवान को भोग लगाकर भगवान्नाम लेते हुए उचित मात्रा में खाते हैं तो वो भोजन भी भाव और त्याग की दृष्टि से सात्विक हो जाता है। लोलुपतावश रागपूर्वक खाया गया सात्विक भोजन भी तामसिक हो जाता है। गीता में आहार की महिमा आहार करने वाले के भाव और भावनाओं के साथ जुड़ी हुई है।

पत्रिका में प्रकाशनार्थ सामग्री भेजने की अन्तिम तिथि हर माह की 10 तरीख है। **सम्पादक**

In memory of

Shri Shankar Lal Bhargava

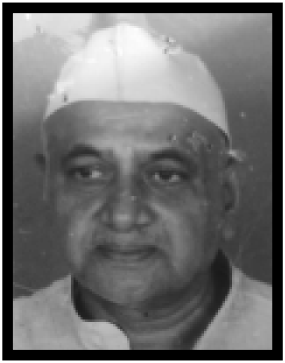

छोटी इलाईची वाले

Raj Shree
ठंडाई पाउडर

SHAMBHU NATH SURESH KUMAR
S
DELHI-6

श्री
मिल्क मसाला
केसर पिस्ता, बादाम

SHAMBHU NATH SURESH KUMAR

DRY FRUITS, HEALTHY SEEDS
SPICES & DRIED FRUITS

SHANKAR LAL & SONS

6701, KHARI BAOLI, DELHI-110006
Mobile : 9810105818, 9818521507, 9212111074

Suresh Bhargava

With best compliments from

Diwakar 9810003713
Sudhaker 9810042132
Kunal 9891091010
Rishabh 9990000225

BHARGAVA
COMMERCIAL PVT. LTD.
(WHOLESALE PAPER & BOARD MERCHANTS)
21/12, Darya Ganj, Dev Niwas, New Delhi-110 002
Ph.: 23269990, 23280556, 23254041 Fax : 91-11-23280557

BHAI PAPERS PVT. LTD.
PAPER & WIRO IMPORTERS & INDENTORS
C-93, D.D.A. SHEDS, OKHLA INDUSTRIAL AREA
PHASE-I, NEW DELHI-110020
PHONES : 26811616, 26813939

RESI. : 22151617, 22141617

BHARGAVA PHYTOLAB
SINCE 1920
A Leading Homoeopathic Company
BHARGAVA PHYTOLAB
Clinically proven for acute and chronic
Cervical Spondylitis
and
Cervical Spondylosis
Doctor's Most Trusted Brand for
Cervical Spondylosis
Available at all the nearest
Homoeopathy
& Allopathy stores
SPONDIN
BUY ONLINE AT
www.doctorbhargava.com
SPONDIN®
Drops
India's No.1 Selling Brand for
NECK & SHOULDER PAIN
BHARGAVA PHYTOLAB PVT. LTD.
A Leading Homoeopathy Company
Help Line No.
99-1008-1920

GRACURE
EU GMP cerification from Belgium's FAMHP
Certified for tablets, capsules, liquid syrups, ointments and dry syrups
Believes in "Quality On Time & In Full"
Gracure Pharmaceuticals Ltd.
EU-GMP Certified Co.

Total No. of Pages 44 (Including Title)
Regd. No. DL(C)-01/1255/2021-23
Date of Publishing 25 & 26-06-2022
Posted at Delhi PSO, 28 & 29 Every Month
जून, 2022 RNI No. 19737/70

श्री संजीव भार्गव स्वामी, सम्पादक, मुद्रक तथा प्रकाशक के प्रबन्ध से भृगु प्रिंटर्स, डी-6/29ए, दयालपुर, दिल्ली-94 में छपा एवं मानवधर्म भवन, 67/3 मद्रास हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित हुआ। दूरभाष : 9136229066